>

Title: Need to open a Kendriya Vidyalaya and Agriculture University in Khalilabad, Sant Kabir Nagar Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh.

श्री भीष्म शंकर उर्फ कुशल तिवारी (संत कबीर नगर): महोदया, सबसे पहले मैं यह कहना चाहता हूं कि शून्य काल में जो बाधा होती है, इससे हम लोगों को निजात मिलनी चाहिए। बहुत मुश्किल से बोलने का नम्बर आ पाता है। महोदया, इस तरह से जो अतिक्रमण हो रहा है, इससे सदस्यों को निजात दिलाना चाहिए। हम यहां अपने क्षेत्रों की समस्याओं को लेकर आते हैं और लोग हमसे उम्मीद रखते हैं। क्षेत्रों की तमाम समस्याएं हैं, जैसे हमारा जिला सूफी संत कबीर की निर्वाण स्थली है। हमारे जनपद के तमाम लोग बाहर नौकरी करते हैं। वे सैनिक हैं, कुछ भूतपूर्व सैनिक हैं, रेलवे में काम करते हैं। हमारे यहां एक भी सेंट्रल स्कूल नहीं है, हम इस पर ध्यान दिलाना चाहते हैं कि हमारे जनपद में एक केन्द्रीय विद्यालय जरूर होना चाहिए। हम लोग इसके बारे में लिखते हैं, सरकार से बात करते हैं, लेकिन उसका कोई जवाब नहीं आता है। संत कबीर नगर, सूफी संत कबीर की निर्वाण स्थली है। पूर्वांचल में सबसे ज्यादा लोग खेती पर निर्भर करते हैं। वहां शिक्षा का अभाव है। वहां खेती की ट्रेनिंग देने की कोई व्यवस्था नहीं है। हमारे यहां गन्ने की खेती सबसे अच्छी होती है, लेकिन गन्ना किसानों की ट्रेनिंग की व्यवस्था नहीं है। पूर्वांचल में संत कबीर के नाम से कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना होनी चाहिए, ताकि वहां के किसानों को कृषि की ट्रेनिंग दिलायी जा सके।...(व्यवधान)

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय : उत्तर प्रदेश सरकार से एक भी प्रपोज़ल केन्द्र सरकार को प्राप्त नहीं हुआ है...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप क्यों बोल रहे हैं? आप बैठ जाइए। उनको बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप समाप्त कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री भीष्म शंकर उर्फ कुशल तिवारी : महोदया, पूर्वांचल का इलाका नदियों की बाढ़ से पीड़ित है। यहां किसानों की समस्याएं हैं। बेरोजगारी की समस्या है। पूर्वांचल और बिहार के नौजवानों को रोजगार के लिए दूसरे इलाकों में जाकर ज़लालत झेलनी पड़ती है। यहां के किसान मजबूरी में असहाय होकर अपनी लड़कियों की शादी तक टाल दिया करते हैं। किसान भी खुशहाल हो, इस पर केन्द्र सरकार को ध्यान देना चाहिए। यहां केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना संत कबीर के नाम से की जानी चाहिए ताकि वहां के किसानों के लिए अच्छी तकनीक से कृषि करने की व्यवस्था हो सके जिससे ज्ञान अर्जित कर किसान और नौजवान अपनी बेचारगी दूर कर सके ।

महोदया, मैं आपको धन्यवाद देते हुए एक बात का और निवेदन करूंगा कि कम से कम शून्य काल में इस तरह के प्रदूषण को दूर किया जाना चाहिए।...(व्यवधान)